खबरों में रहे स्टॉक

एंजल ब्रोकिंग

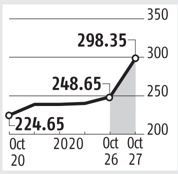

दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ चार गुना बढ़ा

₹ 248.7 पिछला बंद भाव
₹ 298.4 आज का बंद भाव
▲ 20.0 %

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज

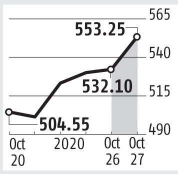

दूसरी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 20 फीसदी बढ़ा

₹ 532.1 पिछला बंद भाव
₹ 553.3 आज का बंद भाव
▲ 4.0 %

पटेल इंजीनियरिंग

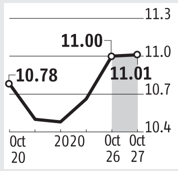

अरुणाचल प्रदेश में 1,564 करोड़ रुपये की पनबिजली परियोजना मिली

₹ 11.0 पिछला बंद भाव
₹ 11.0 आज का बंद भाव
▲ 0.1 %

एनटीपीसी

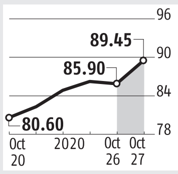

बोर्ड 2 नवंबर को शेयर पुनर्खरीद पर कर रहा विचार

₹ 85.9 पिछला बंद भाव
₹ 89.5 आज का बंद भाव
▲ 4.1 %

सीएट

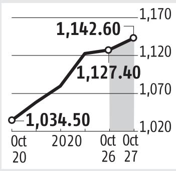

दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ चार गुना से अधिक बढ़ा

₹ 1,127.4 पिछला बंद भाव
₹ 1,142.6 आज का बंद भाव
▲ 1.3 %

संक्षेप में

एडनॉक को विस्तार के लिए भारतीय भागीदार की तलाश

संयुक्त अरब अमीरात की सबसे बड़ी ऊर्जा उत्पादक कंपनी अबू धाबी नैशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) प्रसंस्करण और विपणन क्षेत्र में अपनी महत्त्वकांक्षी 45 अरब डॉलर की पेट्रोरसायन विस्तार योजना में भागीदारी के लिए भारतीय कंपनियों की तलाश में है। एडनॉक ने एक बयान में कहा कि कंपनी के सीईओ सुलतान अहमद अल जाबेर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक ऊर्जा कंपनियों के सीईओ के साथ विचार-विमर्श के दौरान यूएई-भारत ऊर्जा रिश्तों को प्रागाढ़ बनाने को लेकर अवसर तलाशने का जिक्र किया। *भाषा*

नए सीएमडी के नाम पर पुनर्विचार करेगा एलवीबी

भारतीय रिजर्व बैंक ने लक्ष्मी विलास बैंक (एलवीबी) से नए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीएमडी के लिए प्रस्तावित नामों पर पुनर्विचार करने को कहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फिलहाल एलवीबी की क्लिक्स ग्रुप के साथ विलय की प्रक्रिया चल रही है। नकदी संकट से जूझ रहे निजी क्षेत्र के बैंक के शेयरधारकों ने सितंबर में सालाना आम बैठक में बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एस सुंदर और सात अन्य बोर्ड सदस्यों को मतदान के जरिये निदेशक मंडल से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। *भाषा*

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नई तकनीक तैयार

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया (एमएसआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया के साथ मिलकर ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदकों के परीक्षण के लिए स्मार्टफोन आधारित तकनीक विकसित की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नई प्रौद्योगिकी एचएएमएस को उत्तराखंड सरकार के परिवहन विभाग के सहयोग से स्वचालित ड्राइविंग जांच केंद्र (एडीटीसी), देहरादून में लगाया गया है। *भाषा*

भारत-बांग्लादेश के बीच 5 नवंबर से विस्तारा की उड़ान

निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी विस्तारा 5 नवंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच अपनी उड़ानें शुरू करेगी। कंपनी इनकी शुरुआत दोनों देशों के बीच विशेष द्विपक्षीय उड़ान समझौते (एयर बबल पैक्ट) के तहत करेगी। विस्तार की इस घोषणा से एक दिन पहले ही स्पाइस जेट ने भी बांग्लादेश के लिए आठ उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। *भाषा*

भारत में हीरो की सवारी करेगी हार्ली

समझौते के तहत हार्ली डेविडसन के वाहनों की बिक्री एवं सर्विस संभालेगी हीरो मोटोकॉर्प

अरिंदम मजूमदार
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर

- सितंबर में हार्ली डेविडसन ने भारत में अपने बिक्री और विनिर्माण परिचालन को बंद करने की घोषणा की थी
- करीब एक दशक पहले कंपनी ने भारत में प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बिक्री शुरू की थी

दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प भारत में प्रतिष्ठित हार्ली डेविडसन मोटरसाइकिल का उत्पादन और वितरण करेगी। पिछले महीने अमेरिका की इस कंपनी ने भारत में अपनी बिक्री एवं विनिर्माण कारोबार को बंद करने की घोषणा की थी। यह पहल कंपनी की वैश्विक पुनर्गठन योजना का हिस्सा है जिसके तहत उसने उन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से बाहर निकलने की योजना बनाई है जहां बिक्री एवं लाभप्रदता कमजोर है।

अमेरिकी कंपनी द्वारा विनिर्मित मोटरसाइकिलों का उत्पादन, बिक्री और सर्विस करने के इस समझौते के साथ ही हीरो मोटोकॉर्प सुपर प्रीमियम 300 से 600 सीसी श्रेणी में दस्तक देगी। दोपहिया बाजार में 36 फीसदी बाजार हिस्सेदारी होने के बावजूद हीरो काफी हद तक सस्ती बाइक बाजार में बरकरार है।

हीरो ने एक बयान में कहा, 'इस वितरण समझौते के अनुसार, हीरो मोटोकॉर्प हार्ली डेविडसन मोटरसाइकिलों की बिक्री एवं सर्विस उपलब्ध कराएगी। साथ ही वह भारत में ब्रांड-एक्सक्लूसिव हार्ली डेविडसन डीलरों और हीरो के मौजूदा डीलर नेटवर्क के माध्यम से गियर एवं पुर्जे और एक्सेसरीज की बिक्री करेगी।'

ब्रिटेन स्थित ट्रायंफ मोटरसाइकिल्स (500-सीसी में हार्ले की प्रतिस्पर्धी) ने हीरो की प्रतिस्पर्धी बजाज ऑटो के साथ गैर-इक्विटी भागीदारी की है, जिसके तहत वह बजाज के चाकन संयंत्र में उसके वाहनों का निर्माण करती है। बजाज ट्रायंफ के लिए वितरण व्यवस्था भी देखती है। हीरो की अन्य प्रतिस्पर्धी और देश की दूसरी सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता होंडा मोटरसाइकिल ऐंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने भी हाईनेस सीबी 350 की पेशकश के साथ हाल में मिडिल वेट मोटरसाइकिल सेगमेंट - 300सीसी और इससे ऊपर- में अपने प्रवेश की घोषणा की थी। कंपनी की नई पेशकश इस सेगमेंट में बाजार दिग्गज एनफील्ड के क्लासिक 350 और अन्य वाहनों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी।

उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि दोपहिया का प्रीमियम सेगमेंट भारतीय ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। सायम के आंकड़े के अनुसार, वित्त वर्ष 2018 में 251सीसी-500 सीसी श्रेणी में मोटरसाइकिलों की बिक्री तेजी से बढ़कर 833,112 दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2020 में बिक्री घटकर 658,924 वाहन रह गई, क्योंकि तब आर्थिक मंदी की वजह से पूरे देश में बिक्री प्रभावित हुई थी।

एचएमएसआई में बिक्री एवं विपणन निदेशक यादविंदर सिंह गुलेरिया ने हाल में कहा था कि होंडा इस सेगमेंट में तीन नए वाहन पेश करेगी। उन्होंने कहा, 'भारत में मोटरसाइकिल ग्राहक दिनोंदिन बढ़ रहे हैं और वे ऐसे ग्राहक हैं जो ज्यादा प्रीमियम उत्पाद चाहते हैं। हमारे पास उनके लिए विशेष पोर्टफोलियो होगा।'

उद्योग के एक अधिकारी ने कहा, 'वितरण और बिक्री में हीरो की दक्षता से हार्ले को पूरे देश में अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं हीरो को तकनीकी स्थानांतरण का लाभ मिलेगा और उसे हार्ले के अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का भी मौका मिलेगा। यह दोनों के लिए फायदेमंद सौदा है।'

महिंद्रा संग बैटरी स्वैपिंग में उतरेगी आईजीएल

ज्योति मुकुल
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर

- मॉर्गन स्टैनली की रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्यावधि में ई-वाहन से मिलेगी प्रमुख रफ्तार
- वर्ष 2025 तक ई-वाहनों की पहुंच करीब 13 फीसदी और 2030 तक 31 फीसदी होने की उम्मीद

देश की प्रमुख शहरी गैस वितरण कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अपने रिटेल आउटलेट पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी स्वैपिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए महिंद्रा पावरोल के साथ गठजोड़ कर रही है। हालांकि दोनों कंपनियां फिलहाल इस मुद्दे पर केवल चर्चा कर रही है। लेकिन इससे आईजीएल को प्राकृतिक गैस की खुदरा बिक्री के अपने प्रमुख कारोबार के अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र में विस्तार करने में मदद मिलेगी।

आईजीएल के प्रबंध निदेशक एके जना के अनुसार, इस करार के जरिये कंपनी एक वर्ष के भीतर 100 ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करेगी। हालांकि आईजीएल अपने नेटवर्क के रहेक सीएनजी पंप पर चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी हरेक नए आईजीएल आउटलेट पर कम से कम एक चार्जिंग पॉइंट स्थापित करना चाहती है लेकिन उसकी योजना अब तक सफल नहीं हो पाई है।

आईजीएल दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, कानपुर, रेवाड़ी, गुरुग्राम में हरियाणा सिटी गैस के जरिये, करनाल और कैथल में वाहन ईंधन के लिए सीएनजी की बिक्री करती है। महिंद्रा पावरोल आनंद महिंद्रा समूह की इकाई है जो डीजल जेनरेटर और उनके संचालन एवं रखरखाव सहित बिजली समाधान के क्षेत्र में कारोबार करती है। आईजीएल के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हम अभी भी इस करार के व्यापक रूपरेखा पर काम कर रहे है।'

फ्रेशटुहोम ने निवेशकों से जुटाई रकम

समरीन अहमद
बेंगलूरु, 27 अक्टूबर

मछली एवं मांस के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म फ्रेशटुहोम ने सी शृंखला के वित्त पोषण के तहत वैश्विक निवेशकों से 12.1 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। यह भारत के उपभोक्ता प्रौद्योगिकी क्षेत्र का सबसे बड़ा निवेश दौर है। इसका नेतृत्व दुबई सरकार की प्रमुख निवेश इकाई इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन ऑफ दुबई (आईसीडी) ने किया। इसके अलावा अन्य निवेशकों में इन्वेस्टकॉर्प, ऐक्सेंट कैपिटल, अमेरिकी सरकार के विकास वित्त संस्थान- डीएफसी, एलाना ग्रुप एवं अन्य शामिल हैं। बी शृंखला के प्रमुख निवेशक आयरन पिलर ने भी इस दौर में 1.9 करोड़ डॉलर का निवेश किया। बार्कलेज को इस लेनदेन के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया था। इस दौर से पहले कंपनी ने अब तक 3.1 करोड़ डॉलर जुटाए थे। हालांकि कंपनी ने मूल्यांकन पर टिप्पणी करने से इनकार किया लेकिन रिपोर्ट में करीब 40 करोड़ डॉलर का मूल्यांकन आंका गया है। कंपनी फिलहाल करीब 33 शहरों एवं कस्बों में मौजूद है। कंपनी इस रकम का इस्तेमाल घरेलू बाजार के विस्तार में करेगी जो कोलकाता से शुरू होकर छोटे शहरों जैसे कोयम्बटूर, सेलम, जयपुर तक विस्तृत होगा। फ्रेशटुहोम के सह-संस्थापक एवं सीईओ शान कदाविल ने कहा, 'हम सऊदी अरब में भी विस्तार करेंगे। हम पिछले एक साल से यूएई में पहले से ही हैं और हम इस क्षेत्र के शीर्ष 5 ई-ग्रॉसर्स में से एक हैं।' कंपनी करीब 10 फीसदी राजस्व अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुटाती है। कंपनी अगले 12 महीनों में अपनी मौजूदा 20 इकाइयों से 100 स्टोर के साथ ऑफलाइन उपस्थिति भी बढ़ाएगी।

फ्यूचर और एमेजॉन के बीच कानूनी विकल्प

सुदीप्त दे
नई दिल्ली, 27 अक्टूबर

फ्यूचर समूह के खुदरा व्यापार के लिए कानूनी लड़ाई की धार अब तेज होती दिख रही है। सिंगापुर इंटरनैशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (एसआईएसी) के एक अंतरिम आदेश ने रिलायंस इंडस्ट्रीज और फ्यूचर ग्रुप के बीच 27,000 करोड़ रुपये के सौदे को फिलहाल रोक दिया है। एसआईएसी का यह अंतरिम आदेश भारत में कितना प्रभावी हो सकता है? अब फ्यूचर समूह, एमेजॉन एवं रिलायंस रिटेल के पास क्या कानूनी विकल्प हो सकते हैं? आइए जानते हैं विशेषज्ञों की राय:

अंतरिम अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता आदेश के प्रवर्तन में कानूनी चुनौतियां क्या हैं?

भारत यूएन कॉन्वेंशन ऑन द रिकॉग्निशन ऐंड एनफोर्समेंट ऑफ फॉरेन आर्बिट्रल अवाड्र्स 1958 का एक हस्ताक्षरकर्ता देश है। यह विदेशी मध्यस्थता फैसलों को भारत में मान्यता और प्रवर्तन सुनिश्चित करता है। हालांकि यह विदेशी मध्यस्थता ट्रिब्यूनल के केवल अंतिम फैसले पर ही लागू होता है।

फ्यूचर समूह और एमेजॉन के बीच कानूनी लड़ाई में आपातकालीन मध्यस्थ द्वारा पारित आदेश महज एक अंतरिम स्थगनादेश है। विशेषज्ञ बताते हैं कि भारतीय मध्यस्थता अधिनियम विदेशी अंतरिम आदेशों को मान्यता नहीं देता है। कानून फर्म इंडसलॉ के पार्टनर अमित जाजू ने कहा, 'हालांकि विदेशी पक्ष वाले मध्यस्थता में दोनों पक्षों के पास विकल्प खुला है कि वे भारतीय मध्यस्थता अधिनियम की धारा 9 के तहत भारत में अंतरिम राहत के लिए आवेदन कर सकते हैं।'

कॉरपोरेट वकील मुरली नीलकांतन ने कहा कि सिंगापुर में आपातकालीन मध्यस्थता द्वारा दिए गए इस स्थगनादेश को लागू करने के लिए भारत में एक उच्च न्यायालय से इसकी पुष्टि करने की आवश्यकता होगी। इसके लिए मामले की सुनवाई मध्यस्थता अधिनियम की धारा 9 के तहत की जाएगी।

फ्यूचर रिटेल का यह दावा कानूनी तौर पर कितना सही है कि एमेजॉन ने जिस समझौते के तहत मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू की है उसमें वह कोई पक्ष नहीं है और इसलिए फ्यूचर समूह एवं रिलायंस रिटेल के बीच हुए सौदे को इसके दायरे में नहीं लाया जा सकता है?

वकीलों का कहना है कि आपातकालीन मध्यस्थता आदेश की प्रवर्तनीयता मामले के तथ्यों और शेयरधारकों के समझौते पर निर्भर करती है जिसके तहत मध्यस्थता प्रक्रिया शुरू की गई है। जाजू ने कहा, 'यह देखना होगा कि क्या फ्यूचर रिटेल, जो इस समझौते का पक्ष न होने का दावा करती है, फ्यूचर समूह और एमेजॉन के बीच हुए समझौते से कहां तक बंधी है।'

अंतरिम मध्यस्थता आदेश का उल्लंघन न हो, इसे ध्यान में रखते हुए फ्यूचर समूह के पास क्या विकल्प मौजूद हैं?

विशेषज्ञों का कहना है कि फ्यूचर समूह के पास आपातकालीन मध्यस्थ द्वारा पारित अंतरिम आदेश को चुनौती देने का कानूनी विकल्प मौजूद है। जाजू ने कहा, 'यदि न्यायिक क्षेत्राधिकार भारत में है (जैसा कि फ्यूचर समूह का दावा है) तो भारतीय मध्यस्थता अधिनियम की धारा 37 के तहत आदेश को चुनौती दी जा सकती है। यदि आदेश किसी विदेशी मध्यस्थ द्वारा पारित किया गया है तो उसे देश के घरेलू कानूनों के तहत चुनौती दी जा सकती है।'

क्या नियामकीय मंजूरियों के दौरान एमेजॉन इस सौदे को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) अथवा नैशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में चुनौती दे सकती है?

विशेषज्ञों का कहना है कि एमेजॉन को पहले अपना पक्ष साबित करना होगा जो उसके लिए एक बड़ी बाधा होगी क्योंकि एनसीएलटी में सौदे को चुनौती देने की पात्रता के लिए वह किसी भी पक्ष का शेयरधारक नहीं है। उन्होंने कहा कि एमेजॉन को सीसीआई/ एनसीएलटी एवं अन्य फोरम में व्यवधान डालने का अधिकार नहीं है। लेकिन अंतरिम आदेश के जरिये इन नियामकीय फोरम में सौदे को चुनौती दी जा सकती है।

अब इस मामले में आगे की कार्रवाई क्या हो सकती है?

हालांकि एमेजॉन एसआईएसी के अंतरिम आदेश को लागू करने के लिए बंबई या दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर सकती है। लेकिन फ्यूचर समूह भी इस आदेश को चुनौती देने सकता है। यदि एसआईएसी में इस मामले को आगे बढ़ाया जाता है तो दोनों पक्षों द्वारा मध्यस्थों का एक पैनल नियुक्त किया जाएगा। कानून विशेषज्ञों का मानना है कि रिलायंस समूह इस सौदे के लिए नियामकीय मंजूरियां हासिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाएगा।

सावर्जनिक सूचना

पैराबोलिक ड्रग्स लिमिटेड

वेबसाइट में बदलाव की सूचना

हमें यह जानकारी देते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पैराबोलिक ड्रग्स लिमिटेड (CIN No. L24231CH1996PLC017755) की वेबसाइट www.parabolicdrugs.com से बदल कर www.parabolicdrugscirp.com कर दिया गया है।

भविष्य में सभी तरह की घोषणाएं/अधिसूचनाएं अब पर www.parabolicdrugscirp.com देखी जा सकती है।

भवदीय

कृते पैराबोलिक ड्रग्स लिमिटेड

जेएचएस स्वेनगार्ड लैबोरेटरीज लिमिटेड

CIN : L74110HP2004PLC027558

पंजीकृत कार्यालय : त्रिलोकपुर रोड, खेरी (कला–अम्ब), तहसील–नाहन, जिला–सिरमौर, हि.प्र. 173030

सूचना

सेबी (सूचीबद्ध देयताओं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 47 के साथ पठित विनियम 29 के अनुपालन में, एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही व छमाही के लिए अनंकेक्षित स्टैंडलोन व समग्र वित्तीय परिणामों पर विचार और अनुमोदन के लिए मंगलवार, 03 नवंबर, 2020 को आयोजित किया जाना निर्धारित किया है।

बोर्ड के आदेशानुसार
जेएचएस स्वेनगार्ड लैबोरेटरीज लिमिटेड के लिए
हस्ता./– (कीर्ति माहेश्वरी)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27.10.2020

नोट : संबंधित विवरण सहित उक्त जानकारी कंपनी की वेबसाइट https://www.svendgaard.com और स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइटों अर्थात एनएसई: nseindia.com और बीएसई: www.bseindia.com से प्राप्त किया जा सकता है।

एअर इंडिया
AIR INDIA
A STAR ALLIANCE MEMBER

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं.	सेवा का प्रकार	जमा कराने की अंतिम तिथि
टेंडर/फेयर फाइलिंग/02	"एयरलाइन्स फेयर फाइलिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन सर्विसिस"	18th नवम्बर 2020

निविदा दस्तावेज संबंधी अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **http://www.airindia.in** देखें अथवा **girish.kumar@airindia.in** पर मेल करें।

महाप्रबंधक–वाणिज्य

बिज़नेस स्टैंडर्ड
चंडीगढ़ संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं-22 व 49 ग्राउंड फ्लोर, फेज़-II, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकुला-134115, हरियाणा से मुद्रित एवं एससीओ 861, एनएसी, मनी माजरा, चंडीगढ़-160101 से प्रकाशित

संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई नo WBHIN/2008/24333

पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं1

टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स- 033-22101599

सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया संपर्क करें..

सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57007 पर एसएमएस करें SUB BS

डिसक्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए। मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

BNP PARIBAS

Public Notice

Notice is hereby given to all concerned that BNP Paribas Wealth Management India Private Limited has discontinued its portfolio management services effective 1st October 2020 and is in the process of surrendering its registration as 'Portfolio Manager' with Securities and Exchange Board of India.

For BNP Paribas Wealth Management India Pvt. Ltd.

Alap Solanki — COO
Amit Jain — Company Secretary

Phone: 022 6196 4010

वेदांत रिसोर्सेज की रेटिंग घटा सकती है मूडीज

अदिति दिवेकर
मुंबई, 27 अक्टूबर

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वेदांत रिसोर्सेज (वीआरएल) की अपनी लाभप्रद सहायक कंपनी वेदांत लिमिटेड (वीडीएल) में पूर्ण स्वामित्व हासिल करने में विफलता से नकदी प्रवाह का झटका लगेगा। इसलिए मूडीज ने वेदांत रिसोर्सेज की रेटिंग को कम करने के लिए समीक्षा के दायरे में रखा है।

मूडीज के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी कौस्तुभ चौबाल के हवाले रिपोर्ट में कहा गया है, 'होल्डिंग कंपनी के तौर पर वेदांत रिसोर्सेज खुद के संचालन के बिना ऋण परिपक्वता के लिए ऐसे समय में पुनर्वितपोषण की जरूरत होगी जब पूंजी बाजार में नकदी की सख्ती दिख रही है। इससे उसकी प्रमुख सहायक कंपनियों पर नकदी जुटाने की अनावश्यक दबाव बढ़ेगा।' उन्होंने कहा, 'शेयर गिरवी होने के साथ ही प्रशासन संबंधी जोखिम भी अधिक बना हुआ है। इसके अलावा लगातार कमजोर होती नकदी प्रवाह और संभावित पुनर्वित्तपोषण से आक्रामक वित्तीय रणनीति एवं उच्च जोखिम लेने का पता चलता है।'

मार्च 2020 तक समूह के कुल समेकित ऋण बोझ करीब 50 फीसदी यानी 7.5 बिलियन डॉलर मार्च 2022 अदा करना है। इसमें वीआरएल में 2.5 अरब डॉलर और उसके एकमात्र शेयरधारक वॉल्कन इन्वेस्टमेंट्स में 42.5 करोड़ डॉलर शामिल हैं।

इस बीच, वॉल्कन ने 2003 के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के बाद से वीआरएल में कोई ताजा इक्विटी निवेश नहीं किया है। यहां तक कि भारी संकट के दौरान भी उसने कोई निवेश नहीं किया। इसलिए मूडीज को भविष्य में किसी भी इक्विटी निवेश की उम्मीद नहीं है।

पुरी के नेतृत्व में एचडीएफसी बैंक का दमदार सफर

कृष्णकांत
मुंबई, 27 अक्टूबर

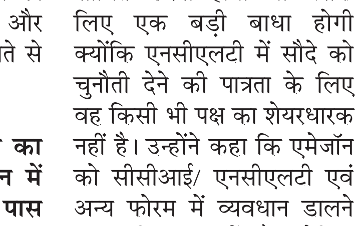

आदित्य पुरी के नेतृत्व में एचडीएफसी बैंक का सफर काफी दमदार रहा है। यह पिछले दो दशक के दौरान भारतीय उद्योग जगत की सबसे अधिक सफल दास्तां रही है। इस दौरान बैंकिंग क्षेत्र में सरकारी बैंकों का वर्चस्व था लेकिन पुरी ने एचडीएफसी बैंक को इस अवधि में एक स्टार्टअप से उद्योग का अग्रणी बैंक बना दिया जो स्टॉक एक्सचेंज पर सबसे अधिक प्रभावशाली कंपनियों में शामिल है।

एचडीएफसी बैंक करीब 6 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ उद्योग में अग्रणी है। साथ ही वह एक अच्छे मार्जिन के साथ सबसे अधिक लाभप्रद बैंक भी बना हुआ है। सेंसेक्स में शामिल सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में एचडीएफसी बैंक की हिस्सेदारी करीब 8 फीसदी है जो 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के समय महज 2 फीसदी था।

एचडीएफसी बैंक को देश में खुदरा ऋण वितरण और बड़े पैमाने पर वेतन खाते खोलने का श्रेय दिया जाता है। बैंक के कुल राजस्व में उसके खुदरा बैंकिंग कारोबार से प्राप्त राजस्व की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी है। यही कारण है कि कठिन आर्थिक वातावरण में भी एचडीएफसी बैं वृद्धि दर्ज करने में समर्थ रहा है। उसका यह मॉडल इतना सफल साबित हुआ कि अन्य प्रतिस्पर्धी बैंक भी आक्रामक तरीके से उसका अनुसरण कर रहे हैं।

हालांकि, पुरी की सबसे बड़ी सफलता बैंक की लाभप्रदता को बरकरार रखते हुए लंबे समय तक लगातार वृद्धि दर्ज करना और उसे डूबते ऋण के चंगुल से बचाना रही है। पिछले एक दशक के दौरान एचडीएफसी बैंक के डूबते ऋण के मुकाबले प्रावधान की रकम उसकी कुल परिसंपत्ति का करीब 0.5 फीसदी रही है जबकि इस दौरान उसकी परिसंपत्तियों में 10 गुना और शुद्ध ब्याज आय में 8 गुना बढ़ोतरी हुई।

पुरी ने 1994 में एचडीएफसी बैंक की स्थापना के बाद से ही जबरदस्त नेतृत्व का उदाहरण पेश किया है और उनके उत्तराधिकारियों को उनकी सफलताओं का अनुकरण करना भी मुश्किल हो सकता है।